हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्षः 2 | अंकः 19 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार, 21 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2022

उद्धव ठाकरे बोले, शिवसेना का ही नहीं लोकतंत्र का भविष्य भी दांव पर

मुंबईः शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि आज न सिर्फ शिवसेना का भविष्य, बल्कि देश में लोकतंत्र भी दांव पर लगा है। उद्धव वीरवार को पार्टी मुख्यालय शिवसेना भवन में अपनी पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री व यवतमाल क्षेत्र के कांग्रेस नेता संजय देशमुख वीरवार को शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट में शामिल हो गए। संजय देशमुख पहले शिवसेना में रह चुके हैं। दो बार दिगरस विधानसभा सीट से विधायक रह चुके देशमुख अब पुनः कांग्रेस छोड़कर शिवसेना में आए हैं। इस अवसर पर दादर स्थित शिवसेना भवन में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह दावा किया जा रहा है कि शिवसेना दोफाड़ होने के बाद खत्म हो गई है। इसके बावजूद लोग उनके साथ आ रहे हैं।

उद्धव ठाकरे के अनुसार आम आदमी, खासतौर से राज्य के सभ्य लोग उससे कतई सहमत नहीं हैं, जो हाल ही में हुआ। उनका समर्थन मुझे मिल रहा है। वह मुझसे कह रहे हैं कि घुटने मत टेको। लड़ते रहो। हम आपके साथ हैं। उद्धव ने कहा कि राजनीतिक रूप से जिन्हें कभी अपने करीब नहीं पाता था, आज वही हमारे समर्थन में आगे आ रहे हैं। अलग-अलग धर्मों और क्षेत्रों के लोग भी साथ आ रहे हैं। क्योंकि न सिर्फ शिवसेना का भविष्य , बल्कि देश का लोकतंत्र भी दांव पर लगा है। मेरा और मेरी पार्टी का भविष्य राज्य के लोग और हमारी पार्टी का कैडर तय करेगा।जून में हुए विधान परिषद चुनाव के तुरंत बाद शिवसेना को बड़ी टूट का सामना करना पड़ा था। शिवसेना के 40 विधायकों ने टूटकर अलग गुट बना लिया था। इस गुट के उद्धव ठाकरे से अलग होने के बाद उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देना पड़ा था और इस गुट के नेता एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर नई सरकार बनाई थी। उसके बाद लोकसभा में भी दो तिहाई सांसद उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ चुके हैं।

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार का बड़ा फैसला, आंदोलन से संबंधित दर्ज सभी केस लेगी वापस

मुंबईः महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने गुरुवार को बड़ा फैसला लेते हुए 30 जून, 2022 तक राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर आंदोलन से संबंधित सभी आपराधिक मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। राज्य में जब से एकनाथ शिंदे की सरकार आई तब से अब तक कई बड़े फैसले ले चुकी है। हालांकि, केस से संबंधित पूरी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। जल्द ही सरकार की ओर से इस संबंध में पूरी विस्तृत जानकारी सामने आ जाएगी। राज्य की पिछली महा विकास अघाड़ी सरकार ने भी कथित तौर पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यकताओं के खिलाफ दर्ज मामले को वापस लेने का प्रस्ताव रखा था .

कुछ लोगों की रातों की नींद उड़ सकती है

शरद पवार के साथ मंच साझा कर शिंदे का उद्धव पर निशाना

मुंबई: क्रिकेट संघ (एमसीए) चुनाव की पूर्व संध्या पर आयोजित एक विशेष रात्रिभोज में, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और भाजपा नेता आशीष शेलार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार के साथ मंच साझा किया। लेकिन शिंदे ने इस मौके का पूरा फायदा उद्धव को निशाने बनाने के लिए उठाया। शिंदे ने इस अवसर पर कहा कि पवार द्वारा उनके और अन्य भाजपा नेताओं के साथ मंच साझा करने से कुछ लोगों की रातों की नींद उड़ सकती है। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन इसे पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की ओर इंगित टिप्पणी माना जा रहा है। मुख्यमंत्री शिंदे ने इस मौके पर कहा, पवार, फडणवीस और शेलार एक ही मंच पर... इससे कुछ लोगों की रातों की नींद उड़ सकती है। लेकिन यह राजनीति करने की जगह नहीं है।

हम सभी खेल के प्रशंसक और समर्थक हैं। इसलिए हम अपने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद खेल के विकास के लिए साथ आए हैं। शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ शिंदे के विद्रोह ने ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार गिरा दी थी। इस सरकार में शिवसेना के साथ एनसीपी और कांग्रेस सत्ता की साझेदार थी। लेकिन इसका इस साल जून में पतन हो गया। फिलहाल पवार, शिंद और फडणवीस की मुलाका काफी अहम मानी जा रही है। दरअसल मुंबई क्रिकेट संघ चुनावों को देखते हुए इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। एमसीए एक बेहद प्रतिष्ठित एसोसिएशन है।

मुंबई में दो मॉल, एक होटल को बम से उड़ाने की धमकी

फोन कॉल के बाद जांच में जुटी पुलिस

मुंबई : मुंबई में कई जगहों पर बम ब्लास्ट की धमकी के बाद पुलिस एक्शन में है और जांच में जुटी है।

पुलिस को बुधवार को एक धमकी भरा फोन मिला था जिसमें कहा गया था कि मुंबई में कई प्रमुख स्थानों पर बम विस्फोट किए जाएंगे। मुंबई पुलिस के मुताबिक उसके हेल्पलाइन नंबर 112 पर फोन किया गया था। फोन करने वाले ने कहा कि मुंबई में तीन बम धमाके होंगे। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां आगे की कार्रवाई के लिए फोन करने वाले की पहचान करने की कोशिश कर रही हैं। मुंबई पुलिस ने कहा, मुंबई में 3 जगहों पर बम धमाकों की फोन कॉल आई। सुरक्षा एजेंसियां फोन करने वाले की पहचान करने की कोशिश कर रही हैं ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके। कॉलर ने दावा किया कि इंफिनिटी मॉल अंधेरी, पीवीआर मॉल जुहू और सहारा होटल एयरपोर्ट में विस्फोट होंगे। कॉल मिलने के तुरंत बाद, सुरक्षा बढ़ा दी गई और सहार एयरपोर्ट पुलिस जुहू, अंबोली और बांगुर नगर पुलिस स्टेशन के साथ-साथ सीआईएसएफ और बीडीडीएस की टीम को भी तैनात किया गया।

मंगलवार को 6 घंटे के लिए बंद रहेगा मुंबई एयरपोर्ट

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट कल यानी कि मंगलवार को सुबह 11 बजे से 5 बजे तक छह घंटे के लिए बंद रहेगा। एयरपोर्ट अथारिटी ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। एयरपोर्ट अथारिटी ने अपने बयान में कहा कि मुंबई हवाई अड्डा मानसून के बाद रनवे पर रखरखाव काम के लिए छह घंटे तक बंद रहेगा।छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ने कहा कि एयरपोर्ट के दोनों रनवे पर 14/32 और 09/27 पर रखरखाव काम होगा, इसलिए मंगलवार को बंद रखने का फैसला किया गया है। उरटक्‍ब ने ट्वीट किया कि हमने मानसून के बाद रनवे पट्टी के रखरखाव के हिस्से के रूप में, मुंबई हवाई अड्डे पर मंगलवार को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रनवे को बंद करने की योजना बनाई है।बता दें कि मुंबई एयरपोर्ट से रोजाना सैकड़ों विमान उड़ान भरते हैं और लैंड करते हैं। ने कहा कि एयरपोर्ट से रोज करीब 800 से ज्यादा विमान लैंड और टेक आफ करते हैं। इसलिए हवाई पट्टी का रखरखाव जरूरी है और मानसून खत्म होने के बाद हर साल इस तरह का अभ्यास किया जाता है, ताकि रनवे दुरुस्त रहें। उन्होंने कहा कि रखरखाव का काम इसलिए भी जरूरी है कि यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित किया जा सके। एयरपोर्ट अथारिटी ने बताया कि इस अवधि के दौरान उड़ानों को एयरलाइन ग्राहकों और अन्य प्रमुख हितधारकों के सहयोग से पुनर्निर्धारित किया गया है ताकि रखरखाव को सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। बता दें कि मुंबई हवाईअड्डे को इस महीने की शुरूआत में इंडिगो के एक विमान में बम के बारे में एक फर्जी ईमेल की चेतावनी मिली थी।

बेटे की गिरफ्तारी पर सास ने लिया बदला, अदालत के आदेश पर बहु के मायके वालों पर 18 लाख की चोरी का केस दर्ज

मुंबई। विवाहिता ने यौन उत्पीड़न के आरोप में पति को गिरफ्तार कराया तो सास की भी बहु से बदला लेने की आरजू एक साल के बाद पूरी हो गई। सास की शिकायत पर मुंबई पुलिस थाने में बांद्रा कोर्ट के आदेश पर बहु के मां-बाप, बहन और चाची पर 18 लाख रुपए के गहनों की चोरी का केस दर्ज किया गया है। दरअसल मामला जून 2021 का है।पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट विवाहिता ने पिछले साल खार पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी शादी को सात साल बीत चुके हैं। होटल व्यवसायी का बेटा यानि उसका पति अश्लील वीडियो देखने का शौकीन है। जब वह सोती रहती तो उसका पति उसका लाइव वीडियो बनाता था। उसका पति उसकी बहन की तस्वीरों की मांग करता, जिसके बाद खार पुलिस ने 17 जुलाई 2021 को आरोपी को घरेलू हिंसा, अप्राकृतिक यौन संबंध और यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया था। एक साल बाद खार पुलिस ने बांद्रा कोर्ट के आदेश पर उसी विवाहिता के मां बाप, बहन और चाची पर 18 लाख रुपये के गहने चुराने के आरोप में केस दर्ज दिया है। ये केस विवाहिता की सास की शिकायत पर दर्ज किया गया है। सास ने आरोप लगाया था कि जून 2021 में उसकी बहू ने अपनी बहन और माता-पिता के साथ मिलकर तब उसके खार स्थित घर से 18 रुपये के गहने चुराए, जब वह परिवार समेत बाहर घूमने गए थे। सास ने बताया कि हमने खार पुलिस में इसके खिलाफ शिकायत दर्ज करने की कोशिश की, लेकिन मेरी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की, आखिरकार हमें न्याय के लिए अदालत जाना पड़ा।अदालत में शिकायत करने के बाद, 12 सितंबर 2022 को बांद्रा कोर्ट के आदेश के बाद खार पुलिस थाने ने बहू, उसके माता-पिता, बहन और चाची के खिलाफ आईपीसी की धारा 378 (चोरी), 406 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी), 448 (घर में अतिचार), 120 बी (आपराधिक साजिश), 504 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान), 506 (आपराधिक धमकी), 499 (मानहानि) और 34 सामान्य इरादा के तहत मामला दर्ज किया है .

बॉम्बे हाईकोर्टमें दुष्कर्म के आरोपित को जमानत, लापता पीड़िता एक साल में

मिली तो करनी होगी शादी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में गिरफ्तार 26 वर्षीय व्यक्ति को जमानत दे दी है, लेकिन एक शर्त के साथ। अदालत का कहना है कि अगर पीड़िता एक साल के भीतर मिल जाती है तो उसे उससे शादी करनी होगी, बता दें कि वर्तमान में पीड़िता लापता है।समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार 12 अक्टूबर को पारित आदेश में न्यायमूर्ति भारती डांगरे की एकल पीठ ने कहा, व्यक्ति एक वर्ष से अधिक इस शर्त से बाध्य नहीं होगा। अदालत ने कहा कि आरोपित और 22 वर्षीय महिला के बीच सहमति से संबंध थे, लेकिन दुष्कर्म और धोखाधड़ी का मामला तब दर्ज किया गया जब उसके महिला के गर्भवती होने के बाद आरोपित उससे बचने लगा।फरवरी 2020 में महिला ने आरोपित के खिलाफ मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज करवायी थी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अपनी शिकायत में, महिला ने दावा किया कि वे 2018 से इस रिश्ते में थी और उनके परिवार को भी इसकी जानकारी थी और उन्हें भी इस रिश्ते पर कोई आपत्ति नहीं थी। 2019 में, महिला को एहसास हुआ कि वह गर्भवती है और उसने आरोपी को सूचित किया, लेकिन उसने उससे बचना शुरू कर दिया। महिला ने घर छोड़ दिया क्योंकि वह अपने परिवार के सदस्यों को गर्भावस्था के बारे में नहीं बताना चाहती थी। 27 जनवरी, 2020 को उसने शहर के एक अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया। 30 जनवरी को महिला ने बच्चे को एक बिल्डिंग के सामने छोड़ दिया। उसके बाद बच्चे को छोड़ने के लिए उसके खिलाफ एक अलग प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

कट्टरता से जन्मा देश खतरनाक

इन दिनों पाकिस्तान में हंगामा बरपा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की चुनावी तैयारियों से जुड़े समूह के सामने बोलते हुए पाकिस्तान को दुनिया के सबसे खतरनाक मुल्कों में से एक करार दे दिया। यह एक ऐसे समय हुआ, जब पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और पीडीएम गठबंधन की शहबाज शरीफ सरकार अपनी विदेश नीति की सफलता की डींगे हांकते थक नहीं रहे थे। वर्षों बाद यह भी हुआ कि किसी पाकिस्तानी जनरल को अमेरिका के सुरक्षा तंत्र में इतना महत्व मिला। हालिया यात्रा के दौरान जनरल बाजवा को अमेरिकी रक्षा सचिव ने तो समय दिया ही, रक्षा मुख्यालय पेंटागन में भी उनको अप्रत्याशित प्रोटोकॉल दिया गया।

चंद महीनों में अमेरिकी रुख में इतना बड़ा बदलाव कैसे हो गया? अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जो गंभीर अध्येता अमेरिकी नीतियों पर नजर रखते हैं, वे जानते हैं कि ये किसी फौरी उत्तेजना की निर्मिति नहीं हैं, उन्हें अमेरिकी हितों को ध्यान में रखते हुए बहुत से विचार समूहों (थिंक टैंक) से प्राप्त इनपुट के आधार पर विकसित किया जाता है, इसलिए न तो पाकिस्तानी उल्लास के पक्ष में कोई तर्क बनता है और न ही जो बाइडन के बयान से कोई सरलीकृत निष्कर्ष निकाले जाने चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूं ही पाकिस्तान को सबसे खतरनाक मुल्कों की श्रेणी में नहीं रखा है। सात घोषित और दो अघोषित परमाणु हथियार संपन्न देशों में पाकिस्तान अकेला है, जहां से अलग-अलग मौकों पर परमाणु तकनीक अनधिकृत स्रोतों को बेची गई है।

तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को अमेरिकी अधिकारियों द्वारा दस्तावेजी सबूत दिखाने के बाद पाकिस्तानी परमाणु कार्यक्रम के जनक अब्दुल कादिर को आजीवन अपने घर में नजरबंद कर दिया गया था। आज यह खुले रहस्य की तरह है कि उत्तरी कोरिया और ईरान के परमाणु कार्यक्रम विकास के जिन चरणों में हैं, उन्हें वहां तक पहुंचाने में पाकिस्तान के सैन्य और असैन्य अधिकारियों को मिली रिश्वतों का भी बड़ा हाथ है। खुद प्रधानमंत्री रही बेनजीर भुट्टो ने भी एक इंटरव्यू में इसे माना था कि उनके सरकारी जहाज का भी इस काम में इस्तेमाल हुआ था।पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद जैसे पाकिस्तानी राजनीतिज्ञों ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उनके पास टैक्टिकल बम हैं। टैक्टिकल बम वे छोटे बम होते हैं, जिन्हें बिना महंगे तामझाम के दो-तीन पैदल सैनिक चला सकते हैं। सही अर्थों में तो एक ही सैनिक काफी है, जो अपने कंधे पर रखे किसी लॉन्चर से यह बम फेंक सकता है। इसे उपयोग में लाने के लिए कमांड और कंट्रोल का वर्तमान तंत्र काफी हद तक अपर्याप्त सिद्ध होगा। छोटा बम एक सीमित इलाके में कुछ लाख लोगों को तो मारेगा ही, एक बड़े परमाणु युद्ध की संभावना भी पैदा करेगा। अमेरिका के लिए दूसरा और ज्यादा बड़ा दुःस्वप्न पाकिस्तानी परमाणु जखीरे का किसी आतंकी संगठन के हाथ पड़ जाने की आशंका है। एक कमजोर नींव पर खड़े पाकिस्तानी राज्य में इसका खतरा हमेशा बरकरार रहता है। कई बार ऐसा हुआ कि देश के किसी विशाल भूभाग पर इस्लामी अतिवादियों का कब्जा हो गया और एक स्थिति तो ऐसी भी आई, जब वे इस्लामाबाद से सिर्फ साठ मील दूर रह गए थे।

एक गैर-गांधी अध्यक्ष से बड़ी उम्मीदें

वृद्ध मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए भारी-भरकम कांग्रेस में सामंजस्य और व्यवस्था बहाल करना शीर्ष पद के लिए चुनाव जीतने से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण और कठिन होगा। पार्टी निराशा से गुजरी है और बदहाली की स्थिति में है, उसे एक बड़ी शल्य क्रिया की जरूरत है, लेकिन इसका कमजोर स्वास्थ्य अभी शल्य क्रिया की इजाजत नहीं देता है।

लगभग एक चौथाई सदी के समय में वह पार्टी के पहले गैर-गांधी अध्यक्ष हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उन्हें अपने वरिष्ठ सहयोगियों, खास तौर पर जी-3 (गांधी परिवार) के वफादार और जी-23 नेताओं के भी सहयोग की जरूरत पड़ेगी। उन्हें अपेक्षाकृत युवा और करिश्माई नेता शशि थरूर के समर्थकों के साथ भी सामंजस्य बिठाना पड़ेगा। खड़गे के समर्थक भी अब उनसे उम्मीद लगाएंगे। अब नए पार्टी अध्यक्ष पर संगठनात्मक सुधारों के नाम पर निजी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के इरादे वाले नेताओं का दबाव होगा। उदाहरण के लिए, 2020 में सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले जी-23 के कई हस्ताक्षरकर्ता यथास्थिति बनाए रखने या ताकत में अपना हिस्सा लेकर मान गए थे। नतीजतन, इन नाराज वरिष्ठों ने खुद को कभी भी उस कॉकस या गुट के रूप में संगठित नहीं किया, जिन्हें पार्टी ने पिछली बड़ी चुनावी हार के बाद देखा था। साल 1967 और 1969 में भी कई जगह चुनावी हार के बाद युवा तुर्क उपनाम से पहचाने जाने वाले नेताओं का एक समूह बन गया था। अगर हम कुछ नाम लेना चाहें, तो उनमें चंद्रशेखर, मोहन धारिया, कृष्णकांत और चंद्रजीत यादव इत्यादि प्रमुख थे। वे कुछ राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के लिए

अपने साझा नजरिये के साथ परस्पर जुड़ गए थे, जबकि जी-23 समूह के साथ कतई ऐसा नहीं है, जिसे मीडिया ने किसी भी बौद्धिक बैठक की तुलना में कहीं अधिक प्रचारित किया।

ऐसे नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्मीदवारी के ईद-गिर्द लामबंद हो गए और शशि थरूर को एक तरह से अलग-थलग छोड़ दिया। ये नेता अब सामूहिक रूप से या व्यक्तिगत रूप से पार्टी के प्रभावशाली मंचों पर अपने लिए जगह तलाश कर रहे हैं। नई कांग्रेस कार्यसमिति (12 निर्वाचित और 11 मनोनीत स्थान) और अन्य संगठनात्मक मंचों पर ये नेता अपने लिए ठौर खोजेंगे। विशेष रूप से संसदीय बोर्ड और उस केंद्रीय चुनाव समिति में उन्हें पद की तलाश होगी, जो संसदीय/ विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का फैसला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता के सांविधानिक पद के लिए कोशिशें होंगी। कांग्रेस के निर्वाचित अध्यक्ष को एक व्यक्ति-एक पद को ध्यान में रखते हुए फैसला करना है। शशि थरूर वास्तव में मल्लिकार्जुन खड़गे की व्यापक स्वीकार्यता के मुकाबले पिछड़ गए। शशि थरूर शानदार वक्ता हैं, उनका अकादमिक रिकॉर्ड बेहतरीन है, लेकिन मरणासन्न पार्टी को पुनर्जीवित करने और फिर सक्रिय करने के लिए विचार कौशल के बावजूद उनमें संगठनात्मक अनुभव की कमी रह गई। कांग्रेस में पिछली बार जब अध्यक्ष पद के लिए संघर्ष हुआ था, तब अनुभवी नेता जितेंद्र प्रसाद 7,542 में से सिर्फ 94 वोट हासिल कर सके थे। हालांकि, जितेंद्र प्रसाद के 100 से कम मतों की तुलना शशि थरूर के 1072 मतों से करना गैर-वाजिब होगा, क्योंकि पिछले चुनाव में तो मतपत्र पर दूसरा नाम सोनिया गांधी का था। मुनव्वर राना का अजीबोगरीब बयान, कहा- मेरा बाप मुस्लिम था, लेकिन मां थीं या नहीं इसकी गारंटी नहीं लेता

इस बार गांधी परिवार के चुनाव से बाहर बैठने से मैदान साफ था, पर केरल के सांसद का चुनाव लड़ना और सम्मानजनक हार का प्रबंध करना उन्हें कांग्रेस कार्यसमिति में एक सीट का मजबूत दावेदार बनाता है। इस संभावना पर दांव लगाया जा सकता है, क्योंकि अभियान के दौरान दोनों प्रतिद्वंद्वियों ने कभी शिष्टाचार नहीं छोड़ा। वर्ष 2014 के बाद से चुनावी हार के सिलसिले से उबरने के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस खड़गे के पुराने स्कूल के नजरिये के साथ शशि थरूर के आधुनिक स्पर्श को मिलाते हुए बेहतर होगी। यह कवायद कांग्रेस को अपने मूल्यवान अतीत से अलग किए बिना एक व्यापक रूप से रूपांतरित या बदले हुए भारत के साथ जोड़कर नई गाथा गढ़ सकती है। नेतृत्व की दूसरी पंक्ति के निर्माण के लिए उदयपुर का खाका अब प्रासंगिक हो गया है। अपने अभियान में खड़गे ने उदयपुर के विचार-मंथन सत्र में कांग्रेस द्वारा अपने उद्धार के लिए रचे गए ह्वब्लू प्रिंटह्व का लगातार उल्लेख किया है। इस दस्तावेज के आधार पर एक शुरूआती करने योग्य कार्रवाई यह है कि नेतृत्व की दूसरी पंक्ति सामाजिक रूप से समावेशी हो सकती है। यह काम 50 साल से कम आयु वर्ग के नेताओं को पार्टी के पद सौंपकर हो सकता है। पहली छाप अक्सर आखिरी छाप होती है। स्थिति में बदलाव करना होगा, कुछ चीजों को केवल समय के साथ बदला जा सकता है। इसमें राजस्थान में बदलाव भी शामिल है।

पार्टी की असली ताकत या शक्ति के भंडार के रूप में गांधी परिवार कहीं नहीं जा रहा है। अगर एक चतुर दलीय पदाधिकारी ने इसे सही पढ़ा है, तो यहां संयुक्त राज्य अमेरिका की मौजूदा व्यवस्था से उदाहरण दिया जा सकता है। अमेरिका में पार्टियों के सार्वजनिक चेहरे उनके शीर्ष सक्रिय दलीय पदाधिकारियों से काफी अलग होते हैं। अगर कांग्रेस यही रास्ता अपनाती है, तो उसका कायाकल्प हो जाएगा। यहां तो अक्सर प्रधानमंत्री ही पार्टी की बागडोर संभालते देखे गए हैं। इतिहास तो खड़गे से ज्यादा उम्मीद नहीं रखता है, क्योंकि कांग्रेस कमजोर हो गई है। पिछले दो गैर-गांधी अध्यक्षों, पी वी नरसिम्हा राव और सीताराम केसरी के नेतृत्व में टूटने भी लगी थी। टूट ने ही 1998 में सोनिया गांधी के आगमन के लिए मंच तैयार किया था। दिवंगत प्रणब मुखर्जी ने एक बार इस लेखक से कहा था कि सोनिया गांधी ने अपने फैसलों को सर्वसम्मति से संचालित करते हुए .

केशव प्रससाद मौर्य बोले- दंगा कराकर विपक्षी दलों ने बढ़ाई दूरी, झिझक छोड़ भाजपा से जुड़ें मुसलमान

लखनऊः सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के नारे को परवान चढ़ाने की कोशिश में जुटी भाजपा की नजर पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों पर है। वह उन्हें यह समझाने में जुटी है कि विपक्षी दलों ने सिर्फ वोट लेकर अब तक ठगा और भाजपा बिना भेदभाव उनका विकास कर रही है।

राजधानी में स्थित विश्वेश्वरैया सभागार में अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच द्वारा आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह में इसकी झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुसलमान अब झिझक छोड़ भाजपा से जुड़ें। अभी कुछ बूथों पर चोरी छिपे वोट दिया है, अब आगे खुलकर भाजपा को वोट दें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पसमांदा मुसलमान एक कदम भाजपा की ओर बढ़ाएंगे तो वह दस कदम उनकी ओर बढ़ाएंगी।

विपक्षी दलों को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा व बसपा आदि विपक्षी दलों ने मुसलमानों को जहरील बोल बोलकर व दंगा कराकर भाजपा से दूर किया। पिछले साढ़े पांच साल से कोई दंगा नहीं हुआ और आगे भी नहीं होगा। उन्होंने पसमांदा मुसलमानों को सावधान किया कि इस कार्यक्रम में जुटी भारी भीड़ को देखकर विपक्षी दल आपको धिक्कारने आपके घर आएंगे। आप डरियेगा नहीं। उनसे सवाल

पूछिएगा कि जब आपकी सरकार थी तब गैस सिलेंडर मुफ्त क्यों नहीं दिया, शौचालय व घर क्यों नहीं दिया और आयुष्मान कार्ड देकर पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा क्यों नहीं दी। वह भाग जाएंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि जिस दिन पसमांदा मुसलमान भाजपा को अपना पूरा वोट देने लगा तो विपक्षी दल कटोरा लेकर भीख मांगने की स्थिति में होंगे। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि मुसलमानों को अगर तरक्की करनी है तो उन्हें मोदी के साथ कदम से कदम बढ़ाकर आगे चलना होगा। औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार मुसलमानों को शिक्षित बनाने व उन्हें रोजगार देने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अशफाक सैफी, मदरसा बोर्ड के चेयरमैन इफ्तिखार अहमद जावेद भी मौजूद रहे। अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक ने कहा कि यूपी में कुल साढ़े पांच करोड़ मुसलमानों में 80 प्रतिशत संख्या पसमांदा मुसलमानों की है। इन्हें और राजनीतिक भागीदारी मिलनी चाहिए। कार्यक्रम में पसमांदा समाज के 101 जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

वाराणसी में भाजपा नेता की हत्या में अब तक 11 गिरफ्तार

दो आरोपितों को पुलिस ने मुठभेड़ में पकड़ा था

वाराणसी : जयप्रकाश नगर निवासी भाजपा नेता पशुपति नाथ सिंह की हत्या में सिगरा पुलिस ने मंगलवार को एक और आरोपित रमेश पाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस तरह अब तक इस हत्याकांड में 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दो दिन पूर्व दो आरोपितों को पुलिस ने मुठभेड़ में पैर में गोली लगी थी। भाजपा नेता की हत्या में शामिल 307 गैंग के आरोपित एक शातिर अपराधी के पदचिह्नों पर चल रहे थे। यह अपराधी मध्यप्रदेश के उज्जैन का दुर्लभ कश्यप है, करीब दो साल पूर्व गैंगवार में मारा गया था। उसने भी 150 लड़कों की फौज खड़ी की थी। पुलिस हत्या के मामले में फरार अन्य आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है। अब तक 10 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं।सिगरा में भाजपा नेता पशुपति नाथ सिंह की हत्या करने वाले लड़कों में अधिकतर दुर्लभ कश्यप के प्रशंसक निकले। मुठभेड़ में गिरफ्तार 307 गैंग

का सरगना राहुल सरोज के मोबाइल में दुर्लभ कश्यप पर बने कई वीडियो भी मिले। यही नहीं, राहुल के इंस्टाग्राम पर रील और फेसबुक पर वीडियो भी दुर्लभ कश्यप से हु-ब-हू मेल खाती है। माथे पर तिलक, आंखों में काजल, कंधे पर गमछा, हल्की दाढ़ी और गले में रुद्राक्ष की माला पहनने वाले दुर्लभ की तरह ही राहुल भी रहता था। जयप्रकाश नगर, चंदुआ छित्तूपुर, शिवपुरवा, माधोपुर के उसके 307 गैंग में 40 से 45 लड़के शामिल हैं। सभी वाट्सएप ग्रुप 307 में सदस्य हैं, जिसका एडमिन राहुल सरोज और विकास राजभर, पवन हैं। किसी भी सदस्य का जन्मदिन मनाना यह नहीं छोड़ते हैं। मोबाइल ने खोले राज क्राइम ब्रांच ने राहुल और पवन के मोबाइल खंगाले तो कई वीडियो और फोटो ऐसे निकल कर सामने आए।

16 लाख राज्य कर्मचारियों को जुलाई से 38 प्रतिशत डीए, वित्त विभाग ने जारी किया शासनादेश

लखनऊ। सूबे के लगभग 16 लाख राज्य कर्मचारियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को बीती पहली जुलाई से चार प्रतिशत की बढ़ी हुई दर से महंगाई भत्ता (डीए) मिलेगा। कर्मचारियों को पहली जुलाई से मूल वेतन के 38 प्रतिशत की दर से डीए का भुगतान किया जाएगा।

अभी तक उन्हें 34 प्रतिशत की दर से डीए दिया जा रहा था।पहली जुलाई से 30 सितंबर तक बढ़े डीए की धनराशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते (जीपीएफ) में जमा होगी। कर्मचारियों को अक्टूबर के वेतन के साथ डीए का नकद भुगतान किया जाएगा।डीए बढ़ाने के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी मिलने के बाद वित्त विभाग ने इस बारे में मंगलवार को शासनादेश जारी कर दिया है। बढ़े डीए का लाभ राज्य सरकार, सहायताप्राप्त शिक्षण व प्राविधिक शिक्षण संस्थानों और शहरी स्थानीय निकायों के सभी नियमित व पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग वेतनमानों में कार्यरत पदधारकों को मिलेगा।

शासनादेश के मुताबिक एरियर की राशि कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में एक अक्टूबर 2023 तक जमा रहेगी और उसे अंतिम निकासी के मामलों को छोड़कर इस तिथि से पहले नहीं निकाला जा सकेगा।राष्ट्रीय पेंशन योजना के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को पहली जुलाई से 30 सितंबर तक के बढ़े डीए के एरियर की 10 प्रतिशत राशि उनके टियर-1 पेंशन खाते में जमा की जाएगी और 90 प्रतिशत धनराशि उन्हें राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में दी जाएगी। जिन अधिकारियों या कर्मचारियों की सेवाएं इस शासनादेश के जारी होने की तारीख से पहले खत्म हो गई हों या जो पहली जुलाई 2022 से लेकर शासनादेश जारी होने की तारीख तक सेवानिवृत्त हुए हों या छह महीने के अंदर रिटायर होने वाले हों, उनको डीए के बकाये की पूरी धनराशि का नकद भुगतान किया जाएगा।

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

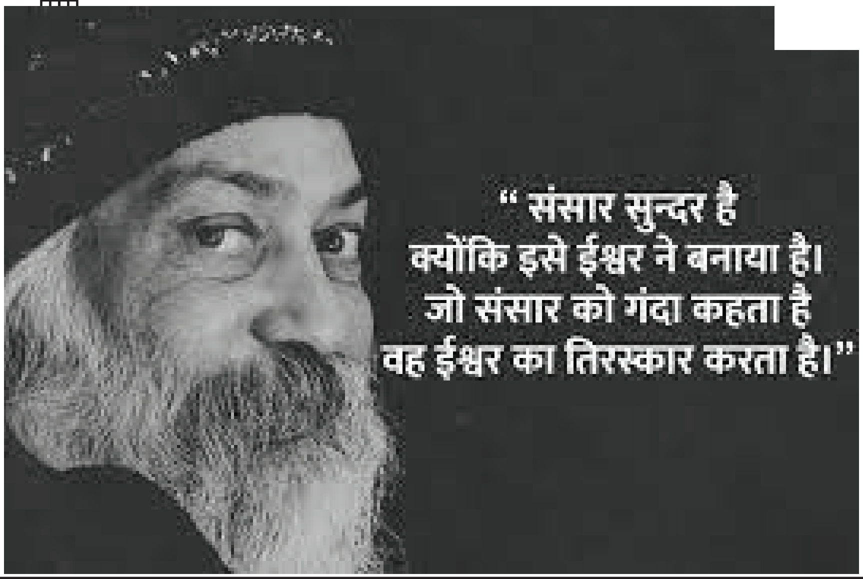

अब कबीर गुरु पाइया और अब भरोसा है क्योंकि गुरु मिल गया। अब डर नहीं है। अब तुम ज्यादा दिन न बच सकोगे। अब तुम कितने ही छिपो, छिपा न पाओगे। कितने ही अवगुंठन धरो, कितने ही घूंघट पहनो, अब कबीर गुरु पाइया। अब मैं अकेला नहीं हूं। अब कोई है, जो तुम्हें पहचानता है और साथ है। और कोई है, जिसकी भली भांति पहचान है और जिसे तुम धोखा नहीं दे सकते, और जिससे तुम छिप नहीं सकते। अब वह साथ है, अब मेरा हाथ किसी के हाथ है।

अब कबीर गुरु पाइया, मिला प्राण पियारा। अब तुम कितनी देर बचोगे? गुरु के मिलने में तुम मिल ही गए। करीब-करीब मिल गए। यात्रा पूरी होने की करीब है। अब गुरु पाइया मिला प्राण पियारा। अब प्राण-प्यारा मिल ही गया। समझो कि मिलन हो गया। गुरु मिल गया कि परमात्मा का द्वार मिल गया। गुरु मिल गया कि गुरुद्वारा मिल गया; गुरु मिल गया. **जारी...**

आंवला पाउडर का इन 9 तरीकों से करें इस्तेमाल

आंवले के अंदर भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो त्वचा को कई समस्याओं से दूर करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा आंवला एंटीऑक्सीडेंट तत्वों का भी मुख्य स्रोत है। जो व्यक्ति को त्वचा और बालों की कई समस्याओं से छुटकारा दिला सकता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आंवला पाउडर का इस्तेमाल कैसे करें। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है। आज हम आपको अपनी इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि आप आंवला पाउडर का इस्तेमाल त्वचा को बेदाग बनाने के लिए किस प्रकार कर सकते हैं। साथ ही आंवला पाउडर के अनेय फायदे के बारे में जानेंगे। इसके लिए हमने श्री राम सिंह हॉस्पिटल एंड हार्ट इंस्टीट्यूट नई दिल्ली के कंसल्टेंट डमेटोलॉजिस्ट और डायरेक्टर ऑफ स्किन लेजर सेंटर नोएडा डॉक्टर टी.ए राणा इस पेस्ट को बनाने के लिए हमारे पास आंवले का पाउडर दूध और लाल मसूर दाल का होना बेहद जरूरी है। अब रात को दूध में लाल मसूर दाल भिगोएं और अगले दिन जब दाल फूल जाए तो उसमें आंवला का पाउडर डालें और एक पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 10 से 15 मिनट के लिए लगाएं। 15

मिनट बाद चेहरे को साधारण पानी से धो लें। ऐसा करने से न केवल त्वचा में कुदरती निखार आएगा बल्कि त्वचा खिली-खिली नजर आएगी। 2 - हल्दी और आंवले का पाउडर इस पेस्ट को बनाने के लिए आपके पास आंवले का पाउडर और हल्दी होनी जरूरी है। अब आप एक चम्मच आंवला पाउडर में एक चुटकी हल्दी मिलाएं और पानी के माध्यम से एक पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को थोड़ी देर के लिए ऐसे ढक कर दें। बने मिश्रण को 10 से 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरे को साधारण पानी से धो लें। ऐसा करने से व्यक्ति को त्वचा की कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। 3 आंवला पाउडर और पारस्ले का रस इस पेस्ट को बनाने के लिए आपके पास आंवले पाउडर के साथ-साथ पारस्ले के रस का होना भी जरूरी है। अब आप एक कटोरी में पार्सले के रस में आंवले के पाउडर को मिलाएं। अब बने मिश्रण को चेहरे पर 10 से 15 मिनट के लिए लगाएं। 15 मिनट बाद मिश्रण को गुनगुने पानी से धो लें। ऐसा करने से त्वचा खिली-खिली और बेदाग नजर आ सकती हैं।

जाह्नवी कपूर को जब श्रीदेवी की वजह से मूंछ के साथ करना पड़ा था शूट

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर बॉलीवुड में अपनी खूबसूरती और स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर भी एक्ट्रेस को मिलियन्स में लोग फॉलो करते हैं, लेकिन इस बार जो जानकारी सामने आई है वह उनके फैंस को जरूर चौंकाने वाली है। जाह्नवी ने हाल ही में अपने जीवन के सबसे बुरे दौर के बारे में बात की और बताया कि करियर के शुरूआत में उन्हें किस तरह की प्रॉब्लम का सामना करना पड़ा था, इसका जिम्मेदार कोई और नहीं, बल्कि उनकी मां श्रीदेवी थीं। जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म मिली को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म जल्द रिलीज होने वाली है, ऐसे में एक्ट्रेस लगातार फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में जाह्नवी ने ह्यफिल्म कैंपेनियनह्न को इंटरव्यू दिया। बातचीत में एक्ट्रेस ने अपनी लाइफ के ट्रेजिक मोमेंट को याद करते हुए बताया कि उनका पहला शूट पीपुल्स मैगजीन के लिए था और वह उनकी जिंदगी का सबसे बुरा वक्त था। मूंछ के साथ करना पड़ा शूट एक्ट्रेस ने कहा कि वह शूट मैग्जीन के कवर गर्ल के लिए था और उस वक्त उनके चेहरे पर मूंछ थी हाथों पर बड़े-बड़े बाल थे, लेकिन वह इसे हटा नहीं सकती थीं क्योंकि उस दौरान उनकी मां श्रीदेवी उन्हें वैक्स नहीं करवाने देती थीं। जाह्नवी ने कहा, ह्रओह नो! वह मेरे जीवन का ट्रैजिक समय था, बेहद बुरा दौर था। मां मुझे वैक्स नहीं करने देती थीं, और मेरी मूंछें थी। मैंने मैगजीन कवर के लिए पूरी तरह उगी हुई मूंछ और हाथ पर ढेर सारे बाल के साथ शूट किया। यह मुझे मेरी जिंदगी के सबसे भयानक दिनों की याद दिलाता है।

जाह्नवी की आने वाली फिल्में जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो मिली के अलावा उनकी कई फिल्में पाइपलाइन में है। मिली इस साल 4 नवंबर को रिलीज होने वाली है। इसके बाद उनके पास फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही है। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव लीड रोल में हैं। वरुण धवन के साथ जाह्नवी फिल्म बवाल की शूटिंग भी कर रही हैं।

पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज का सामना आयरलैंड से, स्काटलैंड से भिड़ेगा जिंबाब्वे

नई दिल्ली। दो बार की पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज की भिड़ंत आयरलैंड से और स्काटलैंड का सामना आइसीसी टी-20 विश्व कप में शुक्रवार को जिंबाब्वे से होगा जिसमें ग्रुप-बी की शीर्ष की दो टीमों को सुपर-12 के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। समाचार एजेंसी आइएएनएस के मुताबिक, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, स्काटलैंड और जिंबाब्वे के बीच जो भी दो टीमें अपने मैच जीतती हैं, वे आगे बढ़ जाएंगी, लेकिन होबार्ट में शुक्रवार को वर्षा की संभावना हैं और ऐसे में समीकरण नेट रन रेट पर निर्भर हो जाएंगे।वर्तमान में, स्काटलैंड दूसरे स्थान पर जिंबाब्वे के साथ 0.759 के सर्वश्रेष्ठ एनआरआर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। यदि शुक्रवार को दोनों मैच बिना एक भी गेंद फेंके रद हो जाते हैं, तो स्काटलैंड और जिंबाब्वे सुपर-12 में पहुंच जाएंगे। अगर वेस्टइंडीज बनाम आयरलैंड मैच खेला जाता है और दूसरा मैच धुल जाता है, तो स्काटलैंड के साथ उस मैच का विजेता अगले चरण में पहुंच जाएगा। अगर स्काटलैंड बनाम जिंबाब्वे मैच खेला जाता है और दूसरा मैच रद होता है, तो मैच का विजेता वेस्टइंडीज के साथ सुपर-12 में आगे बढ़ेगा। वेस्टइंडीज अपने पहले मैच में स्काटलैंड से 42 रन से हारकर इस स्थिति में उतरी थी। उन्होंने बुधवार को जिंबाब्वे को हराकर कुछ रन रेट हासिल किया, लेकिन स्काटलैंड के आयरलैंड से हारने के बाद भी कुछ चिंताजनक क्षणों का सामना करना पड़ रहा है, जो खुद जिंबाब्वे से हार गए थे। वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने स्वीकार किया कि उनकी दुर्दशा का कारण बल्लेबाजी इकाई की विफलता है और उन्होंने कहा कि खुद को शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी के लिए पदोन्नत करेंगे। पूरन अपने गेंदबाजों विशेषकर अल्जारी जोसफ से शानदार प्रयास की आशा कर रहे हैं, जिन्होंने जिंबाब्वे के विरुद्ध अपने चार ओवरों में 4/16 का शानदार प्रदर्शन किया था।

आस्ट्रेलिया टीम में जोश इंग्लिश की जगह कैमरून ग्रीन को किया गया शामिल

नई दिल्ली। आक्रामक हरफनमौला कैमरून ग्रीन को आस्ट्रेलिया की टी-20 टीम में चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिश की जगह शामिल किया गया है। इंग्लिश को न्यू साउथ वेल्स क्लब में गोल्फ खेलते हुए हाथ में चोट लग गई थी।आइसीसी ने एक बयान में कहा ,ह्वआइसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2022 की तकनीकी समिति ने आस्ट्रेलियाई टीम में जोश इंग्लिश की जगह कैमरून ग्रीन को शामिल करने की मंजूरी दे दी। सात टी-20 खेल चुके ग्रीन को इंग्लिश के दाहिने हाथ में चोट लगने के बाद चुना गया। मौजूदा चैंपियन आस्ट्रेलिया अपने अभियान की शुरूआत शनिवार को टूनार्मेंट के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड के विरुद्ध करेगा। आस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड ने कहा,ह्वइंग्लिश की हथेली पर चोट से बल्ला पकड़ने में परेशानी होगी और अगर वह विकेटकीपिंग करता है तो इसमें भी असर पड़ेगा।ह्वबता दें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए वार्मअप मैच में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को रोमांचक मुकाबले में 6 रनों से हरा दिया है।

आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलिया को 11 रन बनाने थे लेकिन शमी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया की टीम को 180 रनों पर ऑल-आउट कर दिया। आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलिया के 4 विकेट गिरे। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 187 रनों का लक्ष्य रखा था। भारत की तरफ से सूर्या और केएल राहुल ने अर्धशतकीय पारी खेली थी। रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, रवि अश्विन, हर्षल पटेल, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह।

वीरेंद्र सहवाग ने बतौर ओपनर भारत के लिए बनाए थे सचिन से ज्यादा रन

कप्तान के तौर पर बेस्ट इकॉनमी भी उनके नाम

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग आज यानी गुरुवार को अपना 44वां जन्मदिन मना रहे हैं। टीम इंडिया तो क्या विश्व क्रिकेट में उनके जैसा खतरनाक अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज मिल पाना मुश्किल है। मुल्तान के सुल्तान कहे जाने वाले सहवाग टी20 वर्ल्ड कप और 2011 में हुए एकदिवसीय वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा रह चुके हैं।बतौर सलामी बल्लेबाज उन्होंने टीम इंडिया के लिए कई मैच जिताए हैं। बतौर भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर से भी ज्यादा रन बनाए हैं। वीरू ने बतौर सलामी बल्लेबाजी करते हुए 15758 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। उसके बाद दूसरा नंबर सचिन तेंदुलकर का है जिन्होंने 15335 रन बनाए हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर सुनिल गावस्कर हैं, जिन्होंने 12258 रन बनाए हैं। वीरेंद्र सहवाग के नाम पर एक और जबरदस्त रिकॉर्ड है। बतौर भारतीय कप्तान वीरेंद्र सहवाग का एक मैच में सबसे ज्यादा एकदिवसीय (वनडे) मैच में रन बनाने का रिकॉर्ड है।

अडानी ट्रांसमिशन ने बाम्बे इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट के लिए 10.80 लाख स्मार्ट मीटर लगाने की बोली जीती

मुंबई : अडानी समूह ने बाम्बे इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट के बिजली उपभोक्ताओं को 30 महीने की अवधि में 10.80 लाख स्मार्ट मीटर प्रदान करने के लिए बोली जीती है। उपभोक्ता जल्द ही इस स्मार्ट मीटर के माध्यम से आनलाइन खपत पैटर्न की निगरानी भी कर सकते हैं। यह सभी मीटर 30 महीनों के अंदर ही लगा दिए जाएंगे। उपनगरीय आपूर्तिकर्ता अडानी इलेक्ट्रिसिटी और पैन-सिटी यूटिलिटी टाटा पावर कंपनी ने पहले ही चरणों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू कर दी है।

मालूम हो कि दोनों कंपनियों ने इस स्मार्ट मीटर को लागाने मे लगभग 1.10 लाख लगाए हैं। स्मार्ट मीटर लगाने के इस अभियान को दो से तीन वर्षों के दौरान पूरा किए जाने की योजना है। अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने कहा कि 2025 के अंत तक सभी 29 लाख उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर मुहैया करा दिए जाएंगे। अडानी इलेक्ट्रिसिटी के मुताबिक, दिसंबर 2023 तक पांच लाख उपभोक्ताओं को यह प्रदान करने की योजना है इएरळ ने जारी की थी निविदा

बाम्बे इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट) ने इस योजना को लागू करने के लिए एक निविदा जारी की थी जिसमें अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड ने इस योजना की बोली जीत ली है। मूल कंपनी ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।अडानी ट्रांसमिशन ने कहा कि स्मार्ट मीटर हाउसिंग सोसाइटियों और व्यावसायिक भवनों के लिए रूफ-टाप सोलर सुविधा के साथ प्री-पेड बिलिंग और नेट-मीटरिंग सुविधा का विकल्प चुनने का सुविधा देगा। उन्होंने कहा कि बेस्ट के पास भुगतान न करने वाले ग्राहकों का रिमोट कनेक्शन और डिस्कनेक्शन करने की भी क्षमता होगी।

इस मामले पर अडानी ट्रांसमिशन के डिस्ट्रीब्यूशन सीईओ कुल कंदरप पटेल ने कहा कि यह प्रोजेक्ट टेक्नोलाजी और डिडिटलीकरण की क्षमता को अनलाक करके ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने के हमारे दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप है। हमें विश्वास है कि हम इस परियोजना को निर्धारित समय पर और अपेक्षाओं के अनुसार वितरित करेंगे।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF

VACANCY VACANCY

ICON OPTICAL GALLERY

Urgently Required Female Staff Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.

Note : Must Have Computer Operating Knowledge

Contact Us : 9819292152

Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION

Online Shopping Hub

Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories

Kitchen & Household items

Baby products

Plastic items

And much more......all under one roof

Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment

Farida Rampurawala : 8898065152

RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997

T.C. NO. MAHHIN10172 ईमेल: newsicon2021@gmail.com newsicon.net